सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र में दिनांक 03.05.2016 को ''जैविक खेती–कृषि वानिकी के परिपेक्ष्य में'' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इलाहाबाद तथा समीपवर्ती स्थानों के कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ डा0 अश्वनी कुमार, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के कर कमलों द्वारा हुआ। श्री मनोज कुमार शुक्ला, निदेशक सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद ने डा0 अश्वनी कुमार महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया।

स्वागत भाषण में श्री शुक्ला ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण कृषि वानिकी प्रजातियों जैसे यूकेलिप्टस, सागौन, पॉपलर आदि के साथ जैविक खेती के विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। डा0 अश्विनी कुमार, महानिदेशक ने क्षेत्रीय कृषकों द्वारा जंगली ऑवला, चिरौंजी, महुआ, जामुन, गुलाब जामुन, बेर, इमली, शिकाकाई आदि आर्थिक महत्व के वृक्षों को कृषि वानिकी में अपनाने पर विचार व्यक्त किया। उन्होने मृदा के अनुसार वृक्षों का चयन तथा जैविक खेती के तकनीकी बिन्दुओ को व्यवहार में लाने हेतु अनुरोध किया।

केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे, डा0 अनीता तोमर तथा डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा जैविक खेती के व्यवहारिक उपयोग, जैविक खाद की प्रयोग विधियां, केचुआ खाद की निर्माण तथा प्रयोग विधियों पर व्याख्यान दिये गये।

डा0 वी0पी0 पाण्डेय, अनुसंधान अधिकारी द्वारा जैविक विधि से कीटों तथा अन्य रोगों के नियंत्रण हेतु विस्तार में चर्चा की गयी। कार्यक्रम का आयोजन डा0 अनीता तोमर, डा0 अनुभा श्रीवास्तव तथा डा0 एस0डी0 शुक्ला के सहयोग से सम्पन्न हुआ। सफल संचालन डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

Welcome by Sri M. K. Shukla, Director, CSFER

Welcome address by Sri M. K. Shukla, Director, CSFER

Address by Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE, Dehradun

Trainee interacting with officials

Technical lectures by experts

Distribution of certificates after training